भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4080

जिसका उत्तर 12 अगस्त, 2026 को दिया जाना है।

21 श्रावण, 1948 (शक)

एआई उत्कृष्टता केंद्र

4080. श्री थरानिवेंथन एम. एस.:

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 'इंडियाएआई मिशन' के शुभारंभ के बाद से तमिलनाडु के लिए स्वीकृत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उत्कृष्टता केंद्रों और इंडियाएआई मिशन परियोजनाओं का उनके स्थान, कार्यान्वयन एजेंसी, स्वीकृत लागत और वर्तमान स्थिति सहित ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष के दौरान 'इंडियाएआई मिशन' और केंद्र सरकार की अन्य पहलों के तहत तमिलनाडु में एआई-संबद्ध परियोजनाओं के लिए आवंटित, जारी की गई और उपयोग की गई कुल निधि कितनी है;

(ग) क्या तमिलनाडु में किसी विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), अनुसंधान संस्थाओं, स्टार्टअप या उद्योग भागीदार को 'इंडियाएआई मिशन' के तहत सहायता प्रदान करने के लिए चुना गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का अरानी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित तमिलनाडु में अतिरिक्त एआई उत्कृष्टता केंद्र, एआई कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर या एआई नवाचार केंद्र स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और समय-सीमा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(घ):** भारत की एआई नीति माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण के दृष्टिकोण पर आधारित है। इसका उद्देश्य एआई से जुड़े जोखिमों का समाधान करते हुए युवाओं के लिए आर्थिक अवसर और रोजगार सृजित करना है।

भारत की एआई रणनीति 300 बिलियन डॉलर के वार्षिक राजस्व और 60 लाख सुदृढ़ कार्यबल के साथ भारत के जीवंत आईटी क्षेत्र पर आधारित है।

<u>आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अनुसंधान और नवाचार:</u>

सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की दिशा में अनुसंधान और नवाचार का समर्थन करती है, जो इस प्रकार है:

<u>इंडियाएआई मिशन:</u>

इंडियाएआई मिशन में सात स्तंभ हैं जिनमें एआई मॉडल का विकास, अनुप्रयोग, डेटासेट, प्रतिभा विकास, किफायती गणना और स्टार्टअप वित्तपोषण स्तंभ शामिल हैं।

इंडियाएआई स्टार्टअप फाइनेंसिंग पिलर:

सरकार ने राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 58 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एआई-सीओई) सीओई की स्थापना के लिए एक योजना को मंजूरी दी है। एआई-सीओई स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण, कृषि और रसद जैसे क्षेत्रों को कवर करता है, और कुशल प्रतिभा विकास का समर्थन करता है।

स्वीकृत ढांचे के तहत, तमिलनाडु को 20 करोड़ रुपये की इकाई लागत के साथ दो (2) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एआई-सीओई) आवंटित किए गए हैं। केंद्र सरकार, राज्य सरकार और उद्योग भागीदार से क्रमशः 40:40:20 के अनुपात में योगदान के साथ एक सहयोगी वित्त पोषण पैटर्न के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जानी है। अनुमोदित रूपरेखा को कवर करने वाला एक संचार, राज्य सरकार के साथ साझा किया गया है और तमिलनाडु राज्य सरकार से प्रस्ताव अभी प्राप्त होना बाकी है।

इसके अतिरिक्त, इंडियाएआई मिशन ने आईआईटी मद्रास के आईटीईएल फाउंडेशन (इमर्सिव टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप लैब्स) के साथ साझेदारी में बिल्डएआई पिच इवेंट की घोषणा की: एक राष्ट्रीय स्तर का पिच इवेंट जो भारत की अनूठी और जटिल चुनौतियों को हल करने के लिए काम करने वाले एआई स्टार्टअप की पहचान करने और उनका पोषण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इंडियाएआई लैब्स:

- 27 इंडिया डेटा और एआई लैब्स की स्थापना की गई, जो 3,500 से अधिक छात्रों के लिए प्रशिक्षण का समर्थन करती है।
- आईटीआई/पॉलिटेक्निक में स्थापना के लिए 188 अतिरिक्त प्रयोगशालाओं की पहचान की गई है, और तमिलनाडु राज्य में आईटीआई और पॉलिटेक्निक को 18 डेटा और एआई लैब आवंटित किए गए हैं।

सुरक्षित और विश्वसनीय एआई:

- इंडियाएआई मिशन के सुरक्षित और विश्वसनीय एआई स्तंभ के तहत, अमृता विश्व विद्यापीठम द्वारा दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र के सहयोग से एक एआई गवर्नेंस टेस्टिंग फ्रेमवर्क विकसित किया जा रहा है, ताकि पता लगाने की क्षमता, पारदर्शिता, जोखिम मूल्यांकन, प्रासंगिक समझ और ज्ञान सत्यापन जैसे मापदंडों में बड़े भाषा मॉडल का मूल्यांकन किया जा सके।
- इसके अलावा, आईआईटी मद्रास, आईआईटी जोधपुर के सहयोग से, एआई जनित सिंथेटिक मीडिया का पता लगाने और भरोसेमंद एआई परिनियोजन का समर्थन करने के लिए क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए डीपफेक डिटेक्शन और एआई गवर्नेंस के लिए एक मल्टी-एजेंट, रिट्रीवल-ऑगमेंटेड जेनरेशन सक्षम फ्रेमवर्क-क्षमता विकसित कर रहा है।

प्रतिभा विकास:

- इंडियाएआई फेलोशिप कार्यक्रम के तहत, 178 संस्थानों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में 686 फेलोशिप प्रदान की गईं।
- तमिलनाडु के 16 संस्थानों के 162 छात्रों को 96 स्नातक फैलोशिप, 33 स्नातकोत्तर फैलोशिप, 1 एकीकृत दोहरी डिग्री फैलोशिप और 32 पीएचडी फैलोशिप प्रदान की गई है।

****